The Deputy Minister of Food and Agriculture (Shri M. V. Krishnappa): (a) For July 25,000 tons and for August 30,000 tons.

(b) and (c). Rice is being issued directly from Central Depots in Kerala to the retailers and wholesalers authorised by the State Government. The total quantity taken delivery of by the retailers and wholesalers was as follows:

In July	..	25,500 tons.
In August	..	27,000 tons.

(d) Yes, Sir.

(e) Twelve thousand tons.

D. T. S. Buses

*1695. **Shrimati Parvathi Krishnan:**
Shri S. M. Banerjee:

Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of D.T.S. buses plying in Delhi need thorough overhauling;

(b) whether the bus drivers have made several representations about the defective brakes in D.T.S. buses;

(c) if so, what steps have been taken to see that the brakes function properly; and

(d) the number of buses repaired since January 1957 so far?

The Minister of State in the Ministry of Transport and Communications (Shri Raj Bahadur): (a) No, but according to schedule, every bus is overhauled after it has completed 100,000 miles On an average 10 buses are overhauled each month.

(b) No.

(c) Does not arise.

(d) 324 buses were repaired in the Central Workshop of the Delhi Road Transport Authority during the period from the 1st January to 31st August, 1957

धान की फसल का रोग

१६९३. **श्री उइके :** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्हें इस आशय के समाचार मिले हैं कि बम्बई राज्य के बादा जिले के सिदेवाही नाम के सामुदायिक विकास खंड में "गाद" नाम का एक नया रोग धान की फसल को नष्ट कर रहा है ;

(ख) क्या यह सच है कि इस रोग के फलस्वरूप धान की फसल के पूर्णतः नष्ट हो जाने की आशंका है ;

(ग) इस रोग के परिणामस्वरूप धान की कितनी फसल खराब होगी ;

(घ) क्या इस रोग के कारण आदि के बारे में कोई जांच की गई ; और

(ङ) यदि हां, तो उसका क्या निष्कर्ष निकला है ?

कृषि उपमंत्री (श्री मो० वें० कृष्णप्पा): (क) जी नहीं, भारत के तकरीबन सभी चावल उगाने वाले क्षेत्रों में, उत्तर प्रदेश को छोड़कर, गाद नामक रोग पाया गया है।

(ख) और (ग). जब तक किसी खास जगह पर आक्रमण की अधिकता का पता न चले, कोई जानकारी नहीं दी जा सकती है। उपज में ५० प्रतिशत तक की हानि होने की आशा की जा सकती है, लेकिन कुल फसल के खराब होने की आशा बहुत ही कम है।

(घ) और (ङ). यह रोग "गाल फिलाई" नामक कीटाणु द्वारा फैलता है। इस कीटाणु का जीवन इतिहास पूरे तौर पर मालूम कर लिया गया है। इस कीटाणु का रोशनी वाले जालों के इस्तेमाल से जो कि इसको अपनी तरफ खींचकर नष्ट कर देते हैं, काफी मात्रा में नियंत्रण किया जा सकता है। रासायनिक जहरों का इस्तेमाल करके इन कीटाणुओं पर नियंत्रण करने के लिये तरीकों का पता लगाने के विचार से अनुसंधान भी जारी है।